नेटवर्क मार्केटिंग

लोकप्रिय
बेस्टसेलर
कृति

जुड़ो जोड़ो जीतो

सफल वक्ता सफल व्यक्ति व जीत या हार-रहो तैयार के लेखक

डॉ. उज्जवल पाटनी

12 भाषाएँ, 18 देश, लाखों प्रतियों की ओर

नेटवर्क मार्केटिंग

जुड़ो
जोड़ो जीतो

eISBN: 978-93-5278-163-8

© प्रकाशकाधीन

प्रकाशक: मेडिडेन्ट इंडिया बुक्स.
X-30 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली-110020
फोन: 011-40712100, 41611861
फैक्स: 011-41611866
ई-मेल: ebooks@dpb.in
वेबसाइट: www.diamondbook.in
संस्करण: 2016
जुड़ो जोड़ो जीतो
लेखक: डॉ. उज्जवल पाटनी

माँ
तुम्हें प्रणाम

मैं ''**जुड़ो, जोड़ो, जीतो**'' को अपनी प्यारी माँ के स्वर्गसम चरणों में समर्पित करता हूँ । कम उम्र में पिता के देहावसान के बाद माँ ने ही मुझे इस काबिल बनाया कि मैं दूसरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकूं और स्वयं के जीवन की जिम्मेदारी ले सकूँ ।

मैं अत्यंत दुर्भाग्यशाली हूं क्योंकि मुझे उन्हें सुख के क्षण देने का अवसर ही नहीं मिला । जब मैं अपने पैरों पर खड़ा हुआ, वे अस्वस्थ हो गई और शीघ्र ही उनका निधन हो गया ।

यदि यह पुस्तक आपको अपने सपनों को पाने में थोड़ी भी मदद करती है और आप समृद्धि की ओर बढ़ते हैं तो उस समृद्धि का एक अंश अपने माता-पिता के चरणों में समर्पित कर देना । आज हम और आप जो भी हैं सिर्फ उनकी वजह से हैं...

अनुक्रमणिका

मेरे मन की बात
डॉ. उज्जवल पाटनी- परिचय
कहते हैं पुस्तकें

जुड़ो

एक सच्चाई
पुराना काम नया दाम
क्या आपका व्यवसाय/रोजगार सुरक्षित है
जैसी मेहनत, वैसा परिणाम
न्यूनतम लागत, असीमित लाभ
समय की आजादी
जमीनी सीमाओं की आजादी
महाराजाओं सा सम्मान
आप अपने सी. ई. ओ. है
संपर्कों की खदान
आय काम करने पर भी और न करने पर भी
डिग्री सर्टिफिकेट के बिना भी चलेगा
उम्र का बंधन नहीं
आरक्षण वर्जित है
नेटवर्कर्स की कुंडली कभी खराब नहीं होती
सबको समान अवसर
स्वप्न देखने की आजादी
दूसरों का भविष्य संवारने का सशक्त माध्यम
प्रशिक्षण से प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण
उपयोग कीजिये पैसे कमाईये

जोड़ो

इसे एक मिलियन डॉलर बिजनेस की तरह
नकारात्मक धारणाओं को मिटा दो
कोई बिजनेस संतृप्त नहीं होता
अपनी लिस्ट बनाओ
सामान्य लोग, असामान्य ऊंचाई
वर्तमान व्यवसाय के साथ भी, व्यवसाय
प्रस्तुति के सुनहरे अवसर

नेटवर्क मार्केटिंग और औसत का नियम
दिल से जोड़ो
सुपरमैन नहीं, आम आदमी बनकर जोड़ी
कम बोलो, मौन की ताकत पहचानो
उत्पादों से जोड़ो
100% सफेद आय
हर प्लान अलग होगा
खोऐंगे क्या, पाएंगे क्या
सेमिनार इंजन है
प्रेरणात्मक ऑडियो- वीडियो से जोड़िये
यदि आपके पास सपने है, तो हम

जीतो

संस्थान के लीडरों की सुनिये
सफल लोगों का साथ चुनिये
समस्या नहीं, समाधान बनिये
असफलता कहती है, आ+फलता
कमजोरियाँ है की फरक पैदा
अपना 100% दीजिये
अति बुद्धिमानी से बचिये
सिद्धांत रीढ़ की हड्डी है
आलोचना के छह नियम
अपनी सीमाऐं तोड़िये
इतिहास गवाह है
बुद्धिमत्ता या कामनमें
नेतृत्व क्षमता के 7 नियम
श्री गणेश जी संसार के सबसे बड़े प्रबंधन गुरु
साथियों के बारे में पूर्वाग्रह
5 Plans a day, keep bouncing.
बूमरैंग लौटकर आयेगा
लोगों को अच्छा महसूस कराईये
कदम दर कदम - सफलता की ओर
अपनी श्रद्धांजलि लिखिये
कैसा गुस्सा, कैसी उत्तेजना
नेटवर्कर देह भाषा जरूर सीखें
समय का महत्व
जान है तो जहान है

ऊपर वाले को मत भूलना

पहचानिये नेटवर्क कंपनी को

Network dictionary

मेरे
मन की बात

पुस्तक को पढ़ने के पहले इसे जरूर पढ़ें

एक मैनेजमेन्ट विशेषज्ञ के रूप में मुझे ढेरों बिजनेस प्रणालियों को करीब से देखने का अवसर मिला । इसी अवधि में भारत में नेटवर्क मार्केटिंग प्रणाली पर आधारित कंपनियों ने पांव फैलाना शुरू किया ।

प्रशिक्षक के रूप में इन नेटवर्क कंपनियों में जाने के बाद मुझे इस प्रणाली का असली महत्व पता चला । मैंने नेटवर्क मार्केटिंग कंपनियों की कार्यप्रणाली समझने के लिये विश्व की शीर्ष कंपनियों का विभिन्न पहलुओं से अध्ययन किया, व्यक्तिगत रूप से शोध किये । कुछ वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद मैंने जाना कि इस प्रणाली में क्यों एक व्यक्ति सफल होता है, दूसरा असफल, क्यों एक कंपनी बंद हो जाती है और दूसरी शीर्ष पर पहुंच जाती है ।

मैं अब विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस प्रणाली में सफलता पाना आसान नहीं है और ना ही यह धन कमाने का शार्टकट है । यह भी कठिन परिश्रम और संपूर्ण समर्पण मांगती है । जो लोग इसे आसान रास्ता या हल्का व्यापार समझकर प्रवेश करते है, जो मुश्किलों का सामना नहीं करना चाहते, वे स्वतः ही इस व्यापार को छोड़ देते हैं या असफल हो जाते है ।

मेरी व्यक्तिगत राय है कि यह प्रणाली एक महान बिजनेस का अवसर है और आगामी वर्षों में यह विश्व की अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण आधार बनेगी ।

मेरी कार्यशालाओं और सेमिनारों में डिस्ट्रीब्यूटर और ऐसोसियेट ढेरों सवाल करते है- कैसे लोगों को जोड़े, उनकी नकारात्मक धारणाओं को कैसे हटाये, निष्क्रिय साथियों को सक्रिय कैसे बनाएं, लोगों को सिद्धांत पर लेकर कैसे चले, टीम को बिखरने से कैसे रोकें आदि-आदि ।

कुछ लोग तो यह भी कहते थे कि क्या पड़े, समझ नहीं आता । अधिकांश पुस्तकें विदेशी लेखकों द्वारा लिखी गई है और भारतीय विचारधारा के अनुकूल नहीं हे । वो मुझसे कोई ऐसी पुस्तक या सीडी मांगते थे, जिसे वो नये व्यक्ति को दे सके और उस व्यक्ति की नेटवर्क मार्केटिंग के बारे में सारी धारणाएं स्पष्ट हो जाए ।

हमारी टीम ने अथक प्रयास करके उन सारे सवालों को संजोया । हमने बहुत अध्ययन और परिश्रम के बाद उन सवालों के भारतीय उत्तर तैयार किये । हमने '**जुड़ो**' के शीर्षक से इस किताब में एक अनमोल हिस्सा शामिल किया जिसे पढ़ते ही एक नया व्यक्ति (प्रॉस्पेक्ट) इस व्यवसाय की ताकत पहचान सकता है । जिन नेटवर्कर की बोलने की क्षमता (Communication Skill) अच्छी नहीं है, वे इस प्रभावी किताब के माध्यम से अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते है ।

इस प्रणाली से 'जुड़ने' के बाद दूसरा लक्ष्य होता है, दूसरों को 'जोड़ना' । दूसरों को जोड़ने के लिये कैसा प्रस्तुतिकरण हो, किन तथ्यों को मुख्य बनाया जाएंगे और किन्हें गौण किया जाएं! कौन किस बात से प्रभावित होगा, मीटिंग कैसे रखी जाएं, ना को ही में कैसे बदला जाए जैसे ढेरों सवालों के जवाब, आपको 'जोडो' के हिस्से में मिलेंगे । यहां आपकी नेटवर्किंग की पाठशाला खत्म होती है ।

जुड़ने और जोड़ने के बाद लंबे समय तक व्यापार में जीतते रहने के लिये कौन से सिद्धांतों का पालन करे, टीम का नजरिया सकारात्मक कैसे बनाऐ, नेतृत्व की क्षमता कैसे लाये , साथियों को सक्रिय कैसे रखें, दूसरी नेटवर्क कंपनियों की चुनौती का सामना कैसे करें जैसे रोज उठने वाले सवालों के सर्वश्रेष्ठ हल आपके लिये 'जीतो' में पेश किये गये है ।

इस पुस्तक में नेटवर्क मार्केटिंग के संबंध में लोगों की भ्रांतियों और शंकाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई है । लोग अपना भविष्य किसी गलत नेटवर्क कंपनी से जुड़कर बरबाद न कर बैठे, इसलिये नेटवर्क कंपनी के चुनाव पर भी एक निष्पक्ष और विशिष्ट अध्याय शामिल किया गया है ।

इस पुस्तक को पढ़कर मुझे ऐसा लगता है कि कहीं मैंने एक ही किताब में जरूरत से ज्यादा जानकारी तो नहीं दे दी । खैर इतना तो जरूर है कि इस पुस्तक को लिखने में मुझे बेहद आत्मसंतुष्टि हुई ।

मुझे यकीन है कि भारत के लाखों नेटवर्कर जो अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिये रात दिन मेहनत कर रहे है, उन्हें यह पुस्तक अवश्य नयी दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगी । सबसे बड़ी बात यह है कि इस पुस्तक की भाषा एकदम सामान्य है ताकि हर कोई इसे आसानी से समझ सके । यह आपके अपने शब्दों में, आपकी अपनी पुस्तक है ।

इस पुस्तक को लिखने में जाने-अनजाने मैंने जिनकी भी मदद ली है, सबको हृदय की गहराइयों से धन्यवाद!